Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J—5909

PAPER—III

LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Generally, stress is the changes which our bodies experience, as one adjusts to the continually changing environment. It has both physical and emotional effects on us and can create positive or negative feelings. As a positive influence, stress can help to compel a professional to action, result in a new awareness and, an exciting new perspective. As a negative influence, it can result in feelings of distrust, rejection, anger, and depression, which in turn, can lead to frustration to work and also several health problems such as headaches, high blood pressure, heart disease, even the cardiac arrest, etc. The library environment has changed drastically over the past few decades. With the development and application of information technologies, the library environment has shifted from the traditional library to computerized library, then automated library and more recently digital library. With such changes, the structure and nature of library and information science professionals has also changed in a dynamic way. The library and information science professionals seldom experience stress as they readjust their lives with the changing library environment, job rotation, job promotion etc; in adjusting to such changing library job environment, stress will help or hinder us depending on how we react to it.

The stress in digital library environment can be widely placed in following categories, usage and development of information technology in the libraries is the main reason of stress on LIS professionals. Fast changes coming in hardware and software and as a resulting it old hardware and software which is presently in use becoming out dated is almost common phenomena in most of the libraries. Again due to financial and technological obstructions it is difficult to move alongwith changing technology. Apart from this, is information storage media, printing to electronics and then as a result of changes in digital media, storage space facility to sufficient extent is become available.

प्राय: दबाव वह है जिससे शरीर परिवर्तनों का अनुभव करता है जिस से सतत् परिवर्तनशील परिवेश में एक व्यक्ति समायोजन करता है। हम पर इसके शारीरिक एवं भावनात्मक दोनों प्रभाव पड़ते हैं और सकारात्मक एवं नकारात्मक भाव पैदा हो सकते हैं। सकारात्मक प्रभाव के रूप में दबाव किसी व्यावसायिक को कार्य करने के लिए विवश कर सकता है जिससे नई जागरुकता आयेगी और उत्तेजित नया दृष्टि कोण बनेगा। नकारात्मक प्रभाव का प्रतिफल अविश्वास, अस्वीकरण, आक्रोश और अवसाद हो सकते हैं जिनसे कार्य में नैराश्य आने और सिर दर्द, उच्च रक्त चाप, हृदय रोग और यहाँ तक कि हृदय की गति रुक जाने तक की अनेक स्वास्थ्य समस्याओं को पैदा कर सकता है। पुस्तकालय का परिवेश पिछले कुछ दशकों में तेजीसे परिवर्तित हुआ है। सूचना प्राद्योगिकी के विकास एवं प्रयोग से

पारम्परिक पुस्तकालय, फिर स्व: चालित पुस्तकालय और अब वर्तमान डिजिटल पुस्तकालय में बदल चुका है। इन परिवर्तनों से पुस्तकालयों की संरचना एवं स्वरुप तथा सूचना विज्ञान व्यावसायिओं में भी गतिशील परिवर्तन आ रहा है। पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के व्यावसायी कभी दबाव को अनुभव नहीं करते क्योंकि वे परिवर्तनशील परिवेश से जॉब रोटेशन पदोन्नति आदि द्वारा अपने जीवन का पुन: समायोजन बैठा लेते हैं। ऐसे परिर्वतनशील पुस्तकालय के कामकाज के परिवेश में पुनर्समायोजन बैठाने के लिए दबाव सहायक अथवा अवरोधक हो सकता है और यह इस पर निर्भर है कि इस के प्रति हमारी प्रतिक्रिया क्या है।

डिजिटल पुस्तकालय परिवेश में आने वाले दबावों को व्यापकतया निम्नलिखित कोटियों में रखा जा सकता है पुस्तकालयों में सूचना प्राद्योगिकियों का विकास एवं प्रयोग एल आई एस व्यावसायिओं के लिए मुख्य दबाव है। कम्प्यूटर हार्डवेयर और साफ्टवेयर में तेजी से परिवर्तन आने के साथ वर्तमान पुराने हार्डवेयर और साफ्टवेयर के कालग्रस्त होने का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है प्राय: सभी पुस्तकालयों में सामान्य घटना है। पुन:, वित्तीय एवं प्राद्योगिक अवरोधों के कारण परिवर्तनशील प्राद्योगिकी के साथ चल पाना कठिन है। इसके इलावा सूचना भण्डारण मीडिया में मुद्रण से इलैक्ट्रानिक और फिर डिजिटल मीडिया में परिवर्तन के फलस्वरूप पर्याप्त सीमा तक भण्डारण में स्थल सुविधा हो गई है।

1. What are the effects of stress ?

दबाव के क्या प्रभाव हैं ?

2. Distinguish between physical and technological stress.

शारीरिक एवं प्राद्योगिक दबाव में अन्तर बतलाइए।

3. How technological stress affects LIS professionals ?

एल आई एस व्यावसायिओं पर प्राद्योगिक दबाव किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

4. What are the reasons for stress in libraries ?

पुस्तकालयों में दबाव के कारण क्या हैं ?

5. How to manage stress in a betterway ?

दबाव को बेहतर ढंग से किस प्रकार व्यवस्थित किया जा सकता है ?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75) marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. What is WIPO ? Explain its functions.

वाइपो क्या है ? इसके कार्यों की व्याख्या कीजिये।

7. What is 'Right to Information Act' ? Explain its essential ingradients.

'राइट टू इन्फोरमेशन एक्ट' क्या है? इसके मुख्य तत्वों की व्याख्या कीजिये।

8. Mention the important publications of IASLIC.

आइसलिक के प्रमुख प्रकाशनों का उल्लेख कीजिये।

9. Distinguish between print and electronic sources of information.

मुद्रित एवम् इलेक्ट्रोनिक स्रोतों में भेद बताइए।

10. Enumerate the key parameters for evaluation of web resources.

वेब स्रोतों के मूल्यांकन के मुख्य परिमाणों को बताइए।

11. Define 'Digest' and explain the steps involved in its preparation.

डाईज़स्ट की परिभाषा दीजिये। इसे तैयार करने के सोपानों का विवरण किजिए।

12. What is RDA ? Explain its initiatives.

आर डी ए क्या है ? इसके प्रारम्भ के प्रयासों का विवरण कीजिए।

13. What are the standards devised for exchange of electronic information ?

इलेक्ट्रोनिक सूचना के विनिमय के लिए कौन-कौन से मानकों बनाये गए है ?

14. Explain the concept of information consolidation and repackaging.

सूचना एकीकरण एवम् पुनः संवेस्टिकरण की अवधारणओं की व्याख्या कीजिए।

15. What is Bandwidth ?

बेन्डविड्थ क्या है ?

16. Describe applications of XML.

एक्स.एम.एल. के प्रयोगों का विवरण कीजिये।

17. What is web browser ?

वेब ब्राउज़र क्या है ?

18. State the distinguishing features of DOI and URL.

डी.ओ.आई. और यु.आर.एल. के भेदक लक्षणों को लिखिए।

19. Explain 'Sampling Error' with example.

सेम्पलींग एरर की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

20. Distinguish Digital libraries from Virtual libraries.

डिजिटल पुस्तकालयों एवम् वर्च्युअल पुस्तकालयों में भेद किजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह–बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभगदो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

21. Discuss the economic and social implications of information in the Knowledge Society.
नालिज सोसाइटी में सूचना की आर्थिक एवम् सामाजिक आशय की चर्चा कीजिए।

22. Enumerate the states which have enacted library legislation in India so far.
भारत में अब तक किन–किन प्रदेशो में पुस्तकालय अधिनियम लागू किया गया है।

23. Define a database. Describe the various types of databases with suitable examples.
डेटाबेस को परिभाषित कीजिए। विभिन्न प्रकार के डेटाबेसों को उपयुक्त उदाहरणों सहित वर्णन कीजिए।

24. Examine the need for classification and cataloguing in digital era.
डिजिटल युग में वर्गीकरण एवम् सूचीकरण की आवश्यकता का परीक्षण कीजिए।

25. Explain the different bibliographic standards available for library practices.
पुस्तकालय व्यवहार में उप्लब्ध विभिन्न ग्रंथ सूची के मानकों की व्याख्या कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड–IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में चालीस (40) अंकों का एक निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. The emerging trends in ICT have revolutionised the pattern of information seeking and use in libraries. How information literacy programmes help to improve the usage of information.

आई.सी.टी. में उभरते हुए झुकावों ने सूचना–प्राप्ति और पुस्तकालय के उपयोग के प्रतिमान में क्रान्ति ला दी है। सूचना के उपयोग में सुधार लाने के लिए सूचना साक्षरता कार्यक्रम किस प्रकार सहायता कर सकते हैं?

OR / अथवा

Knowledge Management is a fate of corporate sector. State the extent to which the contemporary librarians can claim as Knowledge Managers.

ज्ञान प्रबन्धन कार्पोरेट क्षेत्र की नियति है। समकालीन पुस्तकालयाध्यक्ष किस सीमा तक अपने आप को ज्ञान–प्रबन्धक मान सकते हैं?

OR / अथवा

The scenario of collection building underwent sea changes with the advent of electronic resources. In the light of the statement discuss the collection development policy required in the 21st century.

इलैक्ट्रानिक संसाधनों के आगमन से पुस्तक संग्रहण के परिदृश्य में भारी परिवर्तन हुआ है। इस कथन के प्रकाश में इक्कीसवीं शताब्दी में आवश्यक संग्रहण विकास नीति की चर्चा कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....